आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 05 लखनऊ, गुरूवार 07 मई से 13 मई, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

उत्तर प्रदेश में मंहगा हुआ पेट्रोल–डीजल, शराब के भी बढ़े दाम

लखनऊ। कोरोना वायरस के कारण हुई पूर्णबंदी से उत्तर प्रदेश सरकार अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई है। उसे ठीक करने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। बुधवार को यूपी कैबिनेट की बैठक में पेट्रोल पर दो रुपये प्रतिलीटर और डीजल पर एक रुपये प्रति लीटर वैट बढ़ाने को मंजूरी दे दी गई। इसके अलावा देशी शराब की कीमत पांच रुपये बढ़ा दी गई है। मीडियम व प्रीमियम शराब की भी कीमतें बढ़ा दी गई हैं। बुधवार रात १२ बजे से बढ़ी हुई कीमतें लागू हो जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अध्यादेश, २०२० को मंजूरी देने के साथ १० महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, "लॉकडाउन के कारण हमारा टैक्स कलेक्शन बहुत गिरा है। हमारी आर्थिक स्थिति इस महीने कमजोर रही है। इसे ध्यान में रखते हुए ये फैसला लिया गया है। हमारे लिए

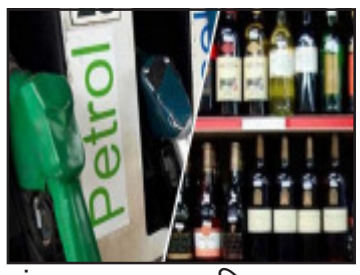

संसाधन जुटाना अति आवश्यक था। हमारी मांग १२१४१ करोड़ रुपये थी, जिसके सपेक्ष ११७८ करोड़ रुपये हुआ।" उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने देशी और अंग्रेजी शराब के साथ–साथ पेट्रोल और डीजल के दामों में भी वृद्धि की भी मंजूरी दी गई है। डीजल और पेट्रोल के दामों में वृद्धि से सरकार को २०७० करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। इस क्रम में प्रति लीटर पेट्रोल और डीजल के दामों में क्रमशरू दो और एक रुपये की वृद्धि को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इस वृद्धि के बाद उप्र में पेट्रोल ७१.६१ पैसे की जगह ७३.६१ रुपये व डीजल ६२.८६ पैसे की जगह ६३.८६ रुपये प्रति लीटर के भाव मिलेगा। इस वृद्धि से सरकार को २३५० करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। बढ़ी दरें रात १२ बजे से लागू हो जाएंगी। इसी क्रम में प्रति बोतल देशी शराब के दाम में ५ रुपये की वृद्धि का फैसला भी कैबिनेट ने लिया है। विदेशी शराब (कोनामी) १८० एमएल तक १० रुपये, ५०० एमएल तक २० रुपये व ५०० एमएल से अधिक ३० रुपये महंगी होगी। रेगुलर १८० एमएल तक २० रुपये, ५०० एमएल तक ३० रुपये और ५०० एमएल से अधिक ५० रुपये महंगी होगी। विदेशी शराब प्रीमियम १८० एमएल तक १०० रुपये, ५०० एमएल तक २०० रुपये और ५०० एमएल से अधिक ४०० रुपये महंगी होगी। इससे २३५६ करोड़ रुपये का फायदा होगा।

तीन माह के भीतर सहायक शिक्षकों की भर्ती प्रकिया पूरी की जाए :उच्च न्यायालय

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के प्राथमिक स्कूलों में ६६००० सहायक शिक्षकों की भर्ती मामले में सरकार द्वारा तय किए गए मानकों पर मुहर लगाई है। न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि तीन माह के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाए। न्यायालय ने कटऑफ अंक बढ़ाने के सरकार के फैसले को सही बताया है। न्यायमूर्ति पंकज कुमार जायसवाल और न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की खंडपीठ ने सरकार द्वारा तय किए गए मानकों पर मुहर लगाई। न्यायालय ने सरकार द्वारा तय किये गये मानको ६०:६७ पर मुहर लगाते हुये तीन माह के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने का आदेश

दिया। इस आदेश के तहत सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी ६५ फीसद और अन्य आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी ६० फीसद अंक पाकर उत्तीर्ण होंगे।

शहीद के नाम पर एक सड़क का होगा नामकरण : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की शहादत पर पत्नी व माता–पिता

को ५० लाख रुपये की धनराशि, परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा शहीद के नाम पर एक सड़क का नामकरण किये जाने की घोषणा की है। सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को यहां बताया कि योगी ने सेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की शहादत पर शहीद पत्नी व माता–पिता को ५० लाख रुपये की धनराशि तथा सरकारी नौकरी दिये जाने की घोषणा पहले ही की है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब एक सड़क का नाम शहीद के नाम पर रखा जायेगा। उन्होंने बताया कि गाजीपुर निवासी सी०आर०पी०एफ० के शहीद जवान अश्विनी कुमार यादव के परिवार को भी शासकीय प्राविधानों के अनुरूप यह सभी सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। गौरतलब है कि गत सोमवार को जम्मू–कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल(सीआरपीएफ) के तीन जवान शहीद हो गये थे। उसमें उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी अश्विनी कुमार यादव भी शामिल थे।

सोनिया ने पूछा, १७ मई के बाद क्या होगा?

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के लिए देश भर में लागू लॉकडाउन को तीन मई के बाद दो हफ्ते और बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले कांग्रेस पार्टी ने सवाल पूछे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष

सोनिया गांधी ने पूछा है कि सरकार ने लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला किस आधार पर किया और १७ मई को तीसरा चरण खत्म होने के बाद सरकार क्या करेगी? उन्होंने बुधवार को अपनी पार्टी के नेताओं और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। इस बैठक में कोरोना संकट से निकलने और लकडाउन के बाद की रणनीति पर विचार किया गया। सोनिया ने सवाल पूछा कि केंद्र सरकार किस आधार पर तय कर रही है कि लॉकडाउन कितने दिन रहना चाहिए? उन्होंने आगे पूछा कि १७ मई को लकडाउन का तीसरा चरण खत्म होने के बाद बाद होगा? बैठक में मौजूद पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ रणनीति में बुजुर्गों, डायबिटीज वालों लोगों और दिल के मरीजों की सुरक्षा का खास ध्यान रखने की जरूरत है। कोरोना वायरस से लड़ने की रणनीति के बनाने के लिए बने कांग्रेस नेताओं के समूह के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सोनिया का सवाल दोहराया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रियों को भी लॉकडाउन खत्म करने के बारे में सोचना चाहिए। इस बारे में उन्हें केंद्र सरकार से भी पूछना चाहिए कि देश को लॉकडाउन से निकालने की क्या रणनीति है?

बुद्धेश्वर चौराहा पर पुलिस को मिली विक्षिप्त महिला संक्रमित

कैसरबाग में संक्रमण बढ़ा एक ही परिवार के छह लोग पॉजिटिव मिले

लखनऊ। प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमित १२५मरीज बुधवार को भी पाये गये। इसके साथ ही राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर ३००५ हो गयी। एटा मेरठ तथा अलीगढ़ में कोरोना संक्रमित एक एक व्यक्ति की मौत हो गयी। ग्रीन जोन में शामिल चित्रकूट में कोरोना का संक्रमण पहुंचने से अब प्रदेश के ६७ जिले कोरोना की चपेट में आ गये हैं। उधर राजधानी लखनऊ मे बुधवार को गर्भवती महिला समेत सात लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। इनमें से छह कैसरबाग के मछली मोहाल में रहने वाले एक ही परिवार के हैं। कानपुर की विक्षिप्त महिला के सम्पर्क में आये तीन पुलिस उपनिरीक्षक व ११ पुलिसकर्मियों समेत ८१ लोगों को क्वारंटीन कर दिया गया है। यह विक्षिप्त महिला गत शनिवार को बुद्धेश्वर चौराहा पर पुलिस को मिली थी। इस बीच केजीएमयू में प्लाज्मा थैरेपी से कोरोना मरीज के हालत में काफी सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को लखनऊ में–७, आगरा–१५, गाजियाबाद–६,कानपुर–१६, वाराणसी–६, मेरठ–११, फिरोजा बाद–१२, बांदा–७, प्रयागराज– ५,मथुरा, संतकबीरनगर, बस्ती– ४–४, अलीगढ़–७, जालौन, सिद्धार्थनगर चित्रकूट हापुड़– ३–३, बुलंदशहर, हरदोई मैनपुरी, एटा, श्रावस्ती व कुशीनगर में एक– एक संक्रमित मरीज मिले हैं। प्रदेश में २९६८ कोरोना रोगियों में से अब तक ११३० को पूरी तरह ठीक होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है। कोरोना के अब १८०८ एक्टिव केस बचे हैं।

सम्पादकीय

अब तक क्यों चुप डॉनल्ड ट्रंप...?

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अपने सख्त कदमों के लिए जाने जाते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संधियों से हटते हुए ईरान पर प्रतिबंध लगाए, सैनिक कार्रवाई की, नर्थ अमेरिका फ्री ट्रेड ट्रीटी की शर्तें दोबारा तय करवाईं, ट्रांस पैसिफिक ट्रेड ट्रीटी की वार्ताओं से अमेरिका को अलग किया, पेरिस जलवायु परिवर्तन संधि से अमेरिका को अलग किया और हाल में विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोक दी। इसीलिए ये सवाल है कि अगर उनका दावा सही है कि कोरोना संकट प्राकृतिक कारणों से नहीं आया बल्कि चीन दुनिया को इस मुसीबत में डालने के लिए जिम्मेदार है, तो वो सिर्फ बयानबाजी क्यों कर रहे हैं? अमेरिकी राजनीति को जानने वाले जानते हैं कि अगला राष्ट्रपति चुनाव वे चीन को खलनायक के रूप में पेश कर जीतने की रणनीति बना चुके हैं। मगर उनके बयानों का असर यह होता है कि भारत जैसे देशों की अंध–भक्त मीडिया उनकी मंशाओं के मुताबिक सामाजिक भय और विद्वेष फैलाने में जुट जाती है। जबकि मांग यह होनी चाहिए कि ट्रंप प्रशासन के पास अगर कोई सबूत हैं, तो वह उसे दुनिया को साझा करे, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भरोसे में ले और चीन के खिलाफ बहुपक्षीय प्रतिबंध लगाए जाएं। मगर ऐसा करने का कोई संकेत ट्रंप ने अब तक नहीं दिया है। जबकि अपने बयानों में वो दो–टूक कह चुके हैं कि चीन की लैब में हुई भयानक "गलती" के कारण कोरोना वायरस दुनियाभर में फैला है। बल्कि ट्रंप ने यहां तक कह डाला कि हो सकता है वायरस को जानबूझकर फैलाया गया हो। ना सिर्फ विश्व स्वास्थ्य संगठन, बल्कि खुद अमेरिका के नेशनल इंटेलिजंस के निदेशक के कार्यालय ने वायरस के इंसान द्वारा विकसित किए जाने के संभावनाओं को खारिज किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि महामारी प्राकृतिक रूप से पैदा हुई है और वायरस संक्रमित जानवर के जरिए इंसानों में फैला। यह जग–जाहिर है कि ट्रंप वैज्ञानिकों या विशेषज्ञों की राय नहीं चलते। वे अपनी बुद्धि से चलते हैं और ये बुद्धि इससे प्रेरित होती है कि कब क्या कहने से कितना सियासी फायदा होगा। तो उन्होंने दावा कर दिया कि अब 'पता लगा रहा है कि वायरस बाहर कैसे आया।" मगर यह मालूम हो गया तो वे कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे, इस बारे में अब तक वे चुप ही रहे हैं।

कोरोना वारियर्स पर हमला पड़ेगा महंगा, ७ साल सजा व ५ लाख जुर्माना

लखनऊ। कोराना योद्धाओं की सुरक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अध्यादेश, २०२० को मंजूरी दे गई है। इस नए कानून के तहत चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों और स्वच्छताकर्मियों के साथ ही शासन की तरफ से तैनात किसी भी कोरोना योद्धा से अभद्रता या हमले पर ६ माह से लेकर ७ साल तक की सजा का प्रावधान और ५० हजार से लेकर ५ लाख तक का जुर्माना हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिए कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें उत्तर प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अध्यादेश, २०२० पर मुहर लगी है। नए कानून में चिकित्सक पैरामेडिकल स्टाफ , पुलिसकर्मियों, स्वच्छताकर्मी और सरकार द्वारा तैनात किसी भी कोरोना वारियर से अभद्रता या हमला करने वाले के लिए सात साल तक कैद और पांच लाख तक के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही राज्य और जिला स्तर पर महामारी नियंत्रण प्राधिकरण गठित करने का निर्णय लिया गया है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव और जिले में जिलाधिकारी प्राधिकरण के अध्यक्ष होंगे। चिकित्सकों, सफोईकर्मियों, पुलिसकर्मियों एवं किसी भी कोरोना वरियर्स पर थूकने और

आइसोलेशन तोड़ने पर भी इस कानून के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। इस कानून के तहत कोरोना योद्धा के खिलाफ समूह को उकसाने या भड़काने पर भी कार्रवाई हो सकती है। इसके तहत दो वर्ष से पांच वर्ष तक की सजा का और पचास हजार से २ लाख तक का जुर्माने का प्रावधान है। इस नए अध्यायदेश के अनुसार, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य महामारी नियंत्रण प्राधिकरण बनेगा, जिसमें मुख्य सचिव सहित सात अन्य अधिकारी सदस्य होंगे। दूसरा तीन सदस्यीय जिला महामारी नियंत्रण प्राधिकरण होगा, जिसके अध्यक्ष डीएम होंगे। राज्य प्राधिकरण महामारी के रोकथाम नियंत्रण से संबंधित मामलों में सरकार को परामर्श देगा, जबकि जिला प्राधिकरण जिले में विभिन्न विभागों के क्रियाकलापों के साथ समन्वय स्थापित करेगा। कोरोना महामारी को देखते हुए क्वारंटाइन का उल्लंघन करने पर एक से तीन साल की सजा और जुर्माना दस हजार से एक लाख तक का होगा। अस्पताल से भागने वालों के खिलाफ एक वर्ष से तीन वर्ष सजा और जुर्माना दस हजार एक लाख तक होगा। अस्पतालों और क्वारंटाइन सेंटरों में अश्लील एवं अभद्र आचरण करने पर एक से तीन साल की सजा और पचास हजार से एक लाख तक का जुर्माना होगा। इसमें लकडाउन तोड़ने और इस बीमारी को फैलाने वालों के लिए भी कठोर सजा का प्रावधान है। अध्यादेश के मुताबिक, अगर कोई कोरोना मरीज स्वयं को छिपाएगा तो उसे १ वर्ष से लेकर ३ वर्ष की सजा हो सकती है और ५० हजार से एक लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अगर कोरोना मरीज जानबूझ कर सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से यात्रा करता है तो उसके लिए १ से ३ साल तक की सजा और ५० हजार से २ लाख तक का जुर्माना देना पड़ सकता है।

रोजगार सृजन के लिए यूपी सरकार की नई एजेंसी संभालेगी जिम्मेदारी

लखनऊ। कोरोना संकट से उत्तर प्रदेश की बिगड़ी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए योगी आदित्यनाथ ने खुद जिम्मेदारी संभाल ली है। इसके लिए इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के लिए एक नई संस्था बनाई गई है। इस संस्था के माध्यम से रोजगार सृजन किया जाएगा। इस संस्था के अध्यक्ष स्वयं मुख्यमंत्री होंगे। औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना और सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री सिद्घार्थ नाथ सिंह को संस्था का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके कंधों पर निवेश और रोजगार सृजन की बड़ी जिम्मेदारी है। प्रमुख सचिव औद्योगिक अस्थापना आलोक

कुमार के अनुसार संस्था के बोर्ड से संबंधित विभागों के उच्चधिकारियों के अलावा विभिन्न औद्योगिक व वाणिज्य सेक्टर के लोगों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि "इस एजेंसी के माध्यम से प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार सृजन व निवेश आकर्षण व प्रोत्साहन का काम करेगी। अब तक प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए लगातार जो प्रयास चल रहे थे। उन्हें कोरोना संक्रमण की वजह से बड़ा झटका लगा है। इधर पूर्ण बंदी के कारण प्रवासी मजदूर भी दूसरे प्रदेशों से लौटे हैं, जिन्हें रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रदेष सरकार ने वादा किया है। इसमें एजेंसी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।"

चालक ने की खुदकुशी

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार देर रात एक चालक ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। देर रात घर लौटी बहन ने भाई को फंदे से झूलता देख कंट्रोल पुलिस को सूचना दी। मूलरूप से जनपद बरेली स्वरूप नगर का रहने वाला आकाश कौशिक (२५) पुत्र राजकत्मार कौशिक अपनी बहन के साथ आशियाना रिक्शा कॉलोनी सेक्टर एमॉ में रहकर चालक का काम करता था। मंगलवार देर रात बहन अपने काम से वापस लौटी तो भाई को दुपट्टे के सहारे पंखे के हुक से लटकता देख बदहवास हो गई। वहीं बहन की सूचना पर मौके पर पहुँची स्थानीय थाने की पुलिस ने शव को नीचे उतार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं थाना प्रभारी आशियाना संजय राय के मुताबिक मृतक युवक का एक युवती से प्रेम प्रसंग था प्रेम में असफल होने पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बड़ी लड़की ने बताया पिता का मां से हुआ था झगड़ा।

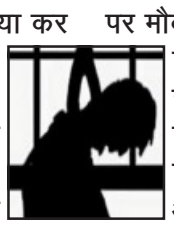

लखनऊ में मिले छह नए कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ। लखनऊ में छह नए कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। केजीएमयू में ११५६ नमूनों की जांच की गई थी। इसमें ११ पजिटिव मामले मिले हैं। लखनऊ में मिले छह लोगों में एक आठ साल का बच्चा भी शामिल है। कोविड १६ से संक्रमित चार लोग बनारस के और एक व्यक्ति औरैया का है। इन सब का अपने जिलों में इलाज किया जा रहा है।

शिक्षक भर्ती मामले में अदालत का अहम फैसला, सामान्य ६५ फीसदी और आरक्षित वर्ग ६०: अंक लाकर होंगे पास

लखनऊ। शिक्षक भर्ती के कटऑफ अंक विवाद पर हाई कोर्ट का अहम फैसला आया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने कहा है कि सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी ६५ फीसदी और अन्य आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी ६० प्रतिशत अंक पाकर उत्तीर्ण होंगे। अदालत ने सरकार को आदेश दिया है कि तीन महीने के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाए। न्यायमूर्ति पंकज कुमार जायसवाल और न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह फैसला दिया

है। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक स्कूलों में ६६००० सहायक अध्यापक भर्ती होनी है। लखनऊ खंडपीठ ने लंबी सुनवाई के बाद तीन मार्च २०२० को फैसला सुरक्षित कर लिया था। बता दें कि यह अहम भर्ती कटअफ प्वाइंट को लेकर करीब डेढ़ साल से लटकी हुई थी। प्रदेश के चार लाख से ज्यादा अभ्यर्थी फैसला का इंतजार कर रहे थे। कोर्ट के फैसले के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। कोर्ट ने सरकार के पक्ष में फैसले सुनाते हुए मानकों को सही माना है।

महामारी ने उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा के महत्व को पुनः रेखांकित किया : आनंदीबेन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नोवल कोरोना विषाणु से फैली वैश्विक महामारी ने कृषि उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा के महत्व को पुनः रेखांकित किया है। आनंदीबेन पटेल ने चन्द्रशेखर आजाद ंषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा ''कोविड–१९ वैश्विक महामारी प्रबन्धन के लिए कृषि उत्पादन एवं सहयोगी प्रणालीः अनुभव साझेदारी एवं रणनीतियां'' विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबकॉन को राजभवन से सम्बोधित कर रहीं थीं। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकारों के सामने उत्पादन एवं आपूर्ति चेन को बनाये रखना बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि देश में कृषि उत्पादों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना तथा कृषि विकास की सतत् प्रक्रिया को जारी रखना केन्द्र एवं राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कोविड १९ लॉकडाउन के कारण खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में शिथिलता आने के कारण वैश्विक कुपोषण की समस्या एक दूसरा पक्ष भी है। सरकार एवं गैर सरकारी संस्थाएं सबको भोजन उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही हैं परन्तु इसमें जन–सहभागिता भी आवश्यक है। देश व प्रदेश की सरकारें प्रसार सेवाओं के माध्यम से भी कृषि उत्पाद को बेचने, खरीद में किसान उत्पादक संघों द्वारा कृषि उत्पादनों के उचित दाम प्राप्त करने के लिए प्लेटफार्म तैयार कर एवं गांव से शहरों की ओर पलायन रोकने के लिए समुचित कदम उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि फसलों में कटाई के बाद होने वाले नुकसान को रोकने के लिए वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड चेन सुविधा द्वारा दूध एवं अन्य शीघ्र नष्ट होने वालों पदार्थों को हानि से बचाने के लिए क्षमता विकास एवं उचित बाजार मूल्य उपलब्ध कराने की आज बड़ी आवश्यकता है। आनंदीबेन पटेल ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाये जाने के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा औषधीय एवं सगंध ीय पौधों के उपयोग के परामर्श पर बल देते हुये कहा कि हल्दी, अदरक, लहसुन, चुकन्दर, आंवला,

पालक, ब्रोकली, नींबू वर्गीय फल, अनार, पपीता, पोदीना, तुलसी, अश्वगंधा, सौफ, लौंग, कालीमिर्च एवं गिलोय जैसे हर्बल उत्पादों का प्रयोग कर वायरस जन्य बीमारियों के विरूद्ध प्रतिरक्षण प्रणाली को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोविड १९ महामारी एवं लॉकडाउन के समय कृषि संयुक्त प्रणाली की उपयोगिता अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गयी है। इसके तहत दूर संवेदन प्रणाली, कृषि विपणन, कृषि कार्यों में आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस, कृषि ड्रोन एवं परिशुद्ध खेती आदि के अनुसंधान एवं इसके उपयोग को बढ़ावा देने की नितान्त आवश्यकता है, जिससे भविष्य में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के समय भी कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जा सके। प्रतिकूल मौसम से बचने एवं अनुकूल मौसम से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं एवं एसएमएस सेवा द्वारा कृषि पूर्वानुमान उपलब्ध ा कराया जाये। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन के विभिन्न व्याख्यानों एवं चर्चाओं के आदान–प्रदान एवं कृषि वैज्ञानिकों की संस्तुतियों से देश की ंषि उत्पादन एवं सहयोगी प्रणाली को सुदृढ़ करने में निश्चित रूप से सहयोग मिलेगा। इससे पूर्व प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने सम्मेलन को अनलाइन सम्बोधित करते हुये कहा कि मौसम परिवर्तन से कृषि फसलों को हो रही क्षति से किसानों को कैसे बचाया जाये, इस पर विशेष मंथन किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादकता में वृद्धि हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा इस तरफ विशेष ध्यान देकर ऐसी तकनीक एवं अधिक उत्पादन देने वाले उन्नतशील बीज तैयार किए जाने की आवश्यकता है, जिससे प्रति हेक्टेयर पैदावार में अपेक्षित वृद्धि हो सके क्योंकि प्रति हेक्टेयर पैदावार में हम बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों से भी पीछे हैं। इस वेबकॉन में पद्म विभूषण डा० राम बदन सिंह, पद्मश्री डा० ब्रह्म सिंह, कुलपति चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय डॉ० डी आर सिंह सहित ंषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ, छात्र–छात्राएं भी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने एक स्मारिका का ऑनलाइन विमोचन भी किया।

कोविड–१९ संक्रमितों की संख्या तीन हजार के करीब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोविड–१९ के खिलाफ सरकार और चिकित्सकों की मेहनत रंग ला रही है जब लगातार दूसरे दिन बुधवार को राज्य में संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या ज्यादा रही। प्रदेश में अब तक मिले संक्रमित मरीजों की संख्या तीन हजार के करीब पहुंच गयी है लेकिन राहत की बात है कि इनमें ११३० मरीज स्वस्थ हो चुके हैं हालांकि ६० की मौत भी हो चुकी है। शाम छह बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले २४ घंटे में ११८ नये मरीजों की पहचान होने के साथ ही मरीजों की कुल संख्या २९९८ हो गयी जबकि इस अवधि में स्वस्थ होने वालों की तादाद १४३ थी। इस दौरान चित्रकूट का नाम कोरोना संक्रमित जिलों की सूची में जुड़ गया जबकि मऊ और आजमगढ़ को कोविड–१९ से छुटकारा मिला। यहां संक्रमित सभी मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। इस तरह अब तक संक्रमित ६७ जिलों में आठ जिलों को कोरोना से राहत मिल चुकी है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसार ने पत्रकारों से कहा कि राज्य में कोरोना पाजिटिव मरीजों के स्वस्थ होने की दर ३६.३७ फीसदी है जो राष्ट्रीय औसत २८.७१ प्रतिशत से करीब नौ फीसदी अधिक है। निसंदेह यह राहत देने वाला विषय है। उन्होंने कहा कि मंगलवार तक राज्य में एक लाख नौ हजार ८८८ कोरोना टेस्ट सम्पन्न हो चुके थे। मंगलवार को राज्य की २० प्रयोगशालाओं में ४४६९ टेस्ट हुये। इसके अलावा २५९ पूल में १२४७ सैंपल जांचे गये जिनमें १९ पाजिटिव मिले। इस बीच सरकार ने उत्तर प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अध्यादेश २०२० को मंजूरी दी है। अध्यादेश के तहत डॉक्टर्स, स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिस कर्मियों और स्वच्छता कर्मियों के साथ ही सरकार की तरफ से तैनात किसी

भी कोरोना वारियर्स से की गई अभद्रता या हमले पर छह माह से लेकर सात साल तक की सजा का प्रावधान और पचास हजार से लेकर पांच लाख तक का जुर्माना हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि पिछले २४ घंटे में राज्य के अलग अलग जिलों में चार कोरोना संक्रमितों की मौत होने के साथ इस बीमारी से मरने वालों की तादाद ६० हो गयी है। नयी मौतों में प्रयागराज, एटा, मेरठ और अलीगढ़ में एक–एक मरीज शामिल है। राज्य में अब तक १८०८ मरीजों का उपचार किया जा रहा है। कोविड–१९ के कारण अब तक आगरा में सबसे ज्यादा १६ मरीजों की मृत्यु हो चुकी है जबकि गाजियाबाद में दो, फिरोजाबाद में तीन, मथुरा में चार, मेरठ में आठ, मुरादाबाद में सात, कानपुर में पांच, अलीगढ़ में दो मरीज इस रोग के कारण मृत्यु की आगोश में समा चुके हैं। इसके अलावा अमरोहा, बिजनौर, मैनपुरी, झांसी, बरेली, बस्ती, बुलंदशहर, लखनऊ, श्रावस्ती, कानपुर देहात, वाराणसी, प्रयागराज और एटा मे एक–एक मरीज की मृत्यु हो चुकी है। नये संक्रमितों में आगरा में १५,गाजियाबाद में छह, कानपुर में १६, वाराणसी में नौ, मेरठ में ११, बुलंदशहर में एक, बस्ती में चार, फिरोजाबाद में सात, रायबरेली में दो, औरैया में एक, मथुरा में एक, मैनपुरी में एक, गोंडा में पांच, अलीगढ़ में एक, झांसी में छह, सिद्धार्थनगर मे १०, हापुड़ में तीन, फिरोजाबाद मे १२, प्रतापगढ़ में एक, बांदा में सात, प्रयागराज में पांच, मथुरा में चार, संतकबीरनगर में चार, मैनपुरी में एक, एटा में एक, अलीगढ़ में सात, श्रावस्ती में एक, जालौन में तीन, सिद्धार्थनगर मे तीन, कुशीनगर में एक और चित्रकूट में तीन मरीज शामिल हैं।

धर्म विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी में ४ पर मुकदमा

लखनऊ। धर्म विशेष के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट कर उसे वायरल करने वाले चार लोगों के खिलाफ हजरतगंज और महानगर कोतवाली में मत्कदमा दर्ज किया गया है। हजरतगंज कोतवाली में तैनात दरोगा दर्त्वेश बाबू ने मंगलवार को तीन फेसबत्क यूजर धर्मेश आत्माराम और देवोजीत के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में ६७ आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज करवाई है। आरोप है कि तीनों फेसबत्क यूजरों ने एक धर्म विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट फेसबत्क पर अपलोड कर उसे वायरल भी किया। इस तरह महानगर के निशातगंज तीसरी गली निवासी जीशान असलम ने भी फेसबत्क यूजर विनोद कत्मार राठौर के खिलाफ महानगर कोतवाली में आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

डाक विभाग ने लोगों तक पहुंचाया सात करोड़ ४० लाख रुपये

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में डाक विभाग ने अब तक २६ हजार लोगों के घरों तक पहुंचकर उन्हें सात करोड़ ४० लाख रुपये पहुंचाने का रिकार्ड स्थापित करते हुए प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। डाक विभाग के अधीक्षक राम निवास कुमार ने बुधवारक को यहां बताया कि कोरोना वायरस से बचाव के लिये लागू लकडाउन के चलते शासन के आदेश पर विभाग ने अब २६ हजार लोगों के घरों तक पहुंच कर उन्हें सात करोड़ ४० लाख रुपये पहुंचाने का रिकार्ड स्थापित किया है। डाक अधीक्षक ने कहा कि लॉकडाऊन शुरू होने के साथ ही सरकार ने यह दायित्व डाक विभाग को दिया था जिसके तहत २५ मार्च से डाक विभाग के पोस्टमैन इस संक्रमण के समय में घरों का चक्कर लगाना शुरू कर दिये। लोगों के बुलावे पर आधा घंटा के अन्दर उपस्थित हो कर उनका आधार नंबर लेकर मौके पर ही अंगूठा लगवा कर दस हजार रुपये तक देने का काम कर रहे थे । उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि जहां पर कोरोना वायरस से संक्रमित पॉजिटिव मरीज मिले है और इलाका हॉटस्पाट्स घोषित हुआ ऐसे इलाको में भी अपनी सेवाएं डाक विभाग के कर्मचारी जोखिम उठाते हुए दिया। लोगो को आर्थिक संकट मुक्त रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विभाग के ३७७ डाक कर्मीयो के सतत प्रयास से जौनपुर डाक विभाग ने प्रदेश में पहला स्थान कायम करने में सफलता हासिल किया है। जनसम्पर्क अधि ाकारी फूलचंद भारती ने कहा कि डाक विभाग के कर्मचारियों की मेहनत एवं जोखिम भरे इस कार्य को अंजाम देकर प्रदेश में नम्बर वन एवं देश में तीसरे स्थान को हासिल करना डाक विभाग के कर्मचारी खास कर डाक कर्मी बधाई के पात्र है।

भारतीय डाक
Indian Post
Indian Post Office Recruitment

यूपी में उद्योग–धंधों को गति देने के लिए सिंगल विंडो प्रणाली होगी मजबूत

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोविड–१९ से बचाव के लिये लागू लकडाउन के चलते राजस्व में हो रही हानि से चिन्तित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उद्योग धन्धों को गति देने के लिये सिंगल विंडो प्रणाली को मजबूती से लागू किये जाने के निर्देश दिये हैं। सीएम योगी ने मंगलवार को लोक भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक में लॉक डाउन व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व वृद्धि के लिए केन्द्र सरकार की एडवायजरी के अनुरूप उद्योग–धन्धों को पूरे सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ संचालित कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि औद्योगिक गतिविधियों में सोशल डिस्टेंसिंग तथा स्वास्थ्य विभाग के प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन हो। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को उद्योग–धन्धों को संचालित करने में कोई दिक्कत न हो इसके लिये सिंगिल विंडो प्रणाली को मजबूती से लागू किया जाए। उद्योग–धन्धों को गति प्रदान करने के लिए आवश्यकतानुसार नीतियों में संशोधन पर विचार किया जाए। लेबर रिफॉर्म के लिए श्रम विभाग द्वारा कार्ययोजना तैयार की जाए। सीएम योगी ने कहा कि लॉकडाउन के कारण अन्य राज्यों से वापस न लौट पा रहे उत्तर प्रदेश के निवासियों के आगमन तथा यहां फंसे अन्य राज्यों के लोगों के वापस जाने के लिये जनसुनवाई पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराना एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में विभिन्न देशों में फंसे भारत वासियों का आगमन प्रस्तावित है। राज्य में वायुमार्ग से देश वापस आने वाले लोगों को क्वारंटीन करने की सुचारू व्यवस्था की जाए। लखनऊ तथा वाराणसी हवाई अड्डों के साथ–साथ हिण्डन एयरपोर्ट पर मेडिकल स्क्रीनिंग के प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्य में टेस्टिंग क्षमता में वृद्धि की जाए। डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ के प्रशिक्षण कार्य में तेजी लायी जाए। राज्य कोरोना सहायता कॉल सेन्टर के टोल फ्री नम्बर १८००–१८०–५१४५ पर अन्य रोगों के लिए भी उपलब्ध चिकित्सीय परामर्श सेवा का व्यापक प्रचार– प्रसार किया जाए। चिकित्सालयों में बायो– मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के समुचित प्रबन्ध पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि मेडिकल संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई टेस्टिंग लैब की स्थापना के साथ ही, वहां पर बायो–मेडिकल वेस्ट के निस्तारण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस बल व मेडिकल टीम को कोरोना के संक्रमण से बचाने के लिए सभी सुरक्षा उपाय अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोविड–१९ के मरीजों की रिकवरी की दर ३३ प्रतिशत है। यह संख्या रिकवरी की राष्ट्रीय औसत २७ प्रतिशत से छह प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्य में पर्याप्त संख्या में क्वारंटीन सेन्टर की व्यवस्था की जाय। उन्होंने कहा कि क्वारंटीन सेन्टरध्शेल्टर होम में साफ–सफाई के अच्छे प्रबन्ध किए जाए। कम्युनिटी किचन के माध्यम से लोगों को गुणवत्तायुक्त भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि क्वारंटीन सेन्टरध्शेल्टर होम व कम्युनिटी किचन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी जिलाधिकारी को व्यवस्थाओं की नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी जिलाधिकारी अपनी रिपोर्ट के द्वारा क्वारंटीन सेन्टरध्शेल्टर होम तथा कम्युनिटी किचन की स्थिति से शासन को अवगत कराते रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मण्डियों में समय सारणी बनाते हुए कार्य संचालित किया जाए, जिससे वहां भीड़ एकत्र न हो। मण्डियों में सोशल डिस्टेंसिंग का प्रत्येक दशा में पालन कराया जाए। साफ–सफाई की उत्तम व्यवस्था की जाए। यह सुनिश्चित कराया जाए कि लोग मास्क अथवा फेस कवर पहनकर ही आएं। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए इन्हें दुग्ध समितियों से जोड़ा जाए। दुधारु पशुओं के खुरपका व मुंहपका टीकाकरण के लिए कार्ययोजना बनायी जाए। शहरी क्षेत्रों की झोपड़पट्टियों व मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अफोर्डेबिल हाउसिंग स्कीम के माध्यम से आवास उपलब्ध कराए जाएं।

रोजगार उपलब्ध कराने के लिए संभावनाओं को तलाशा जाए : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि रोजगार की सम्भावनाओं को तलाशकर उन्हें चिन्हित किया जाय जिससे राज्य में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिले सके। सीएम योगी ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर उच्च स्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नये रोजगार उत्पन्न करने के लिये उनकी सम्भावनाओं को तलाशकर चिन्हित किया जाय जिससे राज्य में अधिक से अधिक लोगों को रोजी रोटी उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगारों व श्रमिको को रोजगार उपलब्ध चुनौती होगी। इसके लिये सभी संभावनाओं की तलाश शुरू करायी जाय। सीएम योगी ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम(एमएसएमई) सेक्टर की इकाइयां प्रदेश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। इनकी हर सम्भव सहायता की जाए। उद्यमों को पूरी सतर्कता और सावधानी बरतते हुए संचालित कराया जाए। उन्होंने राजस्व वृद्धि से जुड़े प्रकरणों में तेजी से निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एम्बुलेंस के चालक समेत उनमें तैनात अन्य कर्मियों को ग्लब्स और मास्क अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं। नॉन–कोविड अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाओं के संचालन के लिए डॉक्टरों समेत पूरी मेडिकल टीम को संक्रमण से बचाव का प्रशिक्षण दिया जाए। इन्हें प्रोटेक्शन इक्युपमेंट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाए। अस्पतालों में मेडिकल इंफेक्शन से बचाव सम्बन्धी प्रोटोकॉल का पालन कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि पीपीई किट्स, एन–९५ मास्क तथा सेनिटाइजर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि टेलीफोन के माध्यम से लोगों को चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने के लिए टेलीमेडिसिन व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इसके साथ ही, ई–हॉस्पिटल को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कोविड–१९ से लड़ने के लिए स्वास्थ्य सिस्टम तथा समाज, दोनों को निरन्तर सजग व तैयार रहना होगा। लोगों को जागरूक करने तथा प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के उपायों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा 'आरोग्य सेतु' एप लॉन्च किया गया। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'आयुष कवच कोविड' एप लॉन्च किया गया है। इस एप में रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि के

उपाय बताए गए हैं। आयुर्वेद तथा योग को अपनाकर बीमारी से बचाव के नुस्खे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति 'आरोग्य सेतु' तथा 'आयुष कवच कोविड' मोबाइल एप डाउनलोड कर अपने को सुरक्षित रखे, इसका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय परिसरों को सेनिटाइज करते हुए वहां सुरक्षा के साथ ही इंफ्रारेड थर्मामीटर, थर्मल स्कैनर तथा सेनिटाइजर की व्यवस्था की जाए। अरेन्ज तथा ग्रीन जोन में स्टेशनरी की दुकानों को खोलने की अनुमति दी जाए। मण्डियों में संक्रमण रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन कराते हुए मास्क और ग्लव्स का प्रयोग अनिवार्य किया जाए। सीएम योगी कहा कि क्वारंटीन सेन्टर, शेल्टर होम तथा कम्युनिटी किचन व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। ग्रामीण इलाकों में स्थापित क्वारंटीन सेन्टर को क्रियाशील रखा जाए। उन्होंने कहा कि नगर विकास, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभागों द्वारा समन्वित प्रयास कर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस प्रकार के अभियान का संचालन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगारों और श्रमिकों को दुग्ध समितियों से जोड़ते हुए उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाया जा सकता है। इसलिए प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में दुग्ध समितियों के गठन के गम्भीरता से प्रयास किए जाएं। इनके माध्यम से ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। गौरतलब है कि लकडाउन के दौरान अन्य राज्यों से प्रदेश लौटे प्रवासी श्रमिकों को नौकरी और रोजगार मुहैया कराने के लिए सरकार ने उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है। यह समिति इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित इस समिति में प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास, प्रमुख सचिव पंचायती राज, प्रमुख सचिव एमएसएमई तथा प्रमुख सचिव कौशल विकास शामिल हैं। यह समिति ओडीओपी के तहत रोजगार सृजन के साथ–साथ बैंक के माध्यम से लोन मेले आयोजित करना सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा रोजगार मेला का भी आयोजन किया जाएगा जिससे लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। यह समिति रोजगार के ज्यादा अवसर कैसे सृजित किए जाएं इस पर भी अपने सुझाव देगी। समिति एमएसएमई के तहत विभिन्न उद्योंगों में रोजगार के अवसर सृजित करने की सम्भावनाएं भी तलाशेगी

पत्नी के खुदकुशी करने से क्षुब्ध टाइल्स कारीगर ने फांसी लगाकर जान दी

लखनऊ। ठाकुरगंज के बरौरा हुसैनबाड़ी में मंगलवार देर रात पत्नी के खुदकुशी करने से क्षुब्ध टाइल्स कारीगर ने भी फांसी लगाकर जान दे दी। घटना से पहले उसने अपने भाई को फोन कर खुदकुशी करने की बात कही। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तो टाइल्स कारीगर का शव फंदे से लटका थाजबकि पत्नी बेड पर मृत पड़ी थी। वहीं दंपति की दो मासूम बेटियां कमरे के कोने में बैठे रो रही थीं। पूछताछ में बड़ी बेटी ने बताया कि पापा ने मम्मी को मारने के बाद फांसी लगाई है। हालांकि देर रात आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों के फांसी लगाने की पुष्टि हुई है। मूल रूप से आगरा निवासी गजेन्द्र पत्नी रूबी पांच वर्षीय बेटी प्रिया और तीन वर्षीय बेटी रिया के साथ बरौरा हुसैनबाड़ी में किराये के मकान में रहता था। वह टाइल्स लगाने का काम करता था। मंगलवार रात करीब २ बजे गजेन्द्र ने अपने भाई को फोन कर कहा कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। यह कहने के बाद उसने कॉल काट दी। इसके बाद भाई व अन्य परिवारीजन उसे लगातार फोन करते रहे लेकिन फिर संपर्क नहीं हो सका। बुधवार सुबह भाई ने ठाकुरगंज पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस घर पहुंची तो गजेन्द्र का शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका था वहीं रूबी का शव नीचे बेड पर पड़ा था। पुलिस ने कमरे में छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। जानकारी मिलते ही एडीसीपी पश्चिमी विकास चन्द्र त्रिपाठी व एसीपी चौक डीपी तिवारी मौके पर पहुंचे। एडीसीपी ने बताया कि पड़ोसियों से पूछताछ में पता चला कि मंगलवार रात किसी बात पर पतिपत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। इस दौरान गजेन्द्र ने रूबी के साथ मारपीट भी की थी। एसीपी चौक डीपी तिवारी ने बताया कि दंपति की बड़ी बेटी प्रिया से बात की गई। उसने बताया कि पापा का मम्मी से झगड़ा हुआ था और उन्होंने मम्मी का गला दबा दिया था। इसके बाद वह कुछ देर रात रोते रहे और फिर उन्हें दूसरे कमरे में ले जाकर खाना खिलाया। प्रिया ने बताया कि पापा ने सारे बर्तन धुले और फिर उन लोगों को सुला दिया था। इससे पुलिस को लगा कि गजेन्द्र ने पहले पत्नी की हत्या की और फिर खुद फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने पंचनामा भरकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं रात को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों की मौत का कारण हैंगिंग (फांसी पर लटकना) आया। इसके आधार पर पुलिस अब यह मान रही है कि झगड़े के बाद रूबी ने फांसी लगा ली होगी। गजेन्द्र ने उसे फंदे से उतारा और पश्चाताप में दुपट्टे के उसी फंदे से खुद भी फांसी लगा ली होगी। एसीपी ने बताया कि तीन वर्षीय रिया को तो आभास भी नहीं है कि उसकी मां और पिता दुनिया में नहीं रहे। महिला सिपाही ने रिया को गोद में लेकर चुप कराया और फिर दोनों को खाना खिलाया।

हिजबुल का कमांडर रियाज मारा गया

श्रीनगर। पिछले कई दिन से जम्मू कश्मीर के अलग अलग हिस्सों में आतंकवादियों के साथ हो रही मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के टप कमांडर रियाज नायकू को मार गिराया है। वह दो साल से मोस्ट वांटेड की सूची में शामिल था। वह अपनी बीमार मां से मिलने पुलवामा के गांव बेगपोरा आया था। वहीं पर सुरक्षा बलों ने उसे घेर कर मार डाला। उसके साथ एक और आतंकवादी के मारे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों को इस गांव में नायकू और उसके कुछ साथियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने घेराबंदी की थी। इस मुठभेड़ के बाद पुलवामा में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और भारी पथराव हुआ। हिजबुल आतंकी बुरहान वानी के मारे जाने के बाद २०१६ में घाटी में इसी तरह का उपद्रव हुआ था। इसे

देखते हुए पूरे कश्मीर में एहतियातन मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया गया है। बीएसएनएल के अलावा बाकी सभी फोन नेटवर्क भी बंद हैं। बताया जा रहा है कि रियाज नायकू पहले घर की छत पर बने एक ठिकाने में छिपा हुआ था। फिर वह सुरक्षा बलों पर फायर करते हुए नीचे उतरा। एनकाउंटर के दौरान सुरक्षा बलों ने ४० किलो आईईडी से उस घर को उड़ा दिया, जहां से नायकू फायरिंग कर रहा था। इसमें नायकू और उसका साथी आदिल मारा गया। नायकू का मारा जाना सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी है। सेना के प्रवक्ता कर्नल अमन आनंद ने बताया– सेना पुलवामा में मारे गए आतंकियों के नाम जाहिर नहीं करेगी। ताकि उनका महिमामंडन न हो। हालांकि, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस ने नायकू के नाम का खुलासा कर दिया। बहरहाल, इससे पहले शनिवार से मंगलवार तक आतंकियों से मुठभेड़ या उनके हमले में एक कर्नल और मेजर सहित आठ सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

लॉकडाउन जारी रखना का मापदंड क्या है : सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को सवाल किया कि यह तय करने का सरकार का मापदंड क्या है कि लॉकडाउन कितने लंबे समय तक जारी रहेगा। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला के मुताबिक सोनिया ने पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में कहा, १७ मई के बाद क्या? १७ मई के बाद कैसे होगा? भारत सरकार यह तय करने के लिए कौन सा मापदंड अपना रही है कि लॉकडाउन कितना लंबा चलेगा। बैठक में उनकी बात का समर्थन करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा, जैसा कि सोनिया जी ने कहा है कि हमें यह जानने की जरूरत है कि लॉकडाउन –३ के बाद क्या होगा? किसानों को लेकर सोनिया ने कहा, हम अपने किसानों खासकर पंजाब और हरियाणा के किसानों का धन्यवाद करते हैं कि जिन्होंने तमाम दिक्कतों के बावजूद गेंहू की शानदार उपज पैदा करते हुए खाद्य सुरक्षा

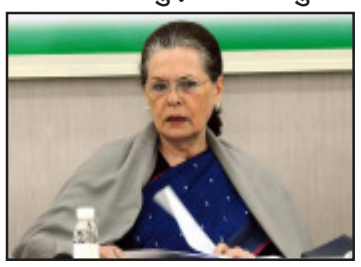

सुनिश्चित की है। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, जब तक व्यापक प्रोत्साहन पैकेज नहीं दिया जाता तब तक राज्य और देश कैसे चलेगा? हमें १० हजार करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। राज्यों ने प्रधानमंत्री से पैकेज के लिए लगातार आग्रह किया है, लेकिन हमें अब तक भारत सरकार से कुछ नहीं पता चला।

12 करोड़ लोगों की नौकरी गई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से देश भर में लागू लकडाउन के कारण १२ करोड़ से ज्यादा लोगों की नौकरी गई है और साथ बेरोजगारी की दर लगातार बढ़ती जा रही है। सेंटर फर मनिटरिंग इंडियन इकोनमी, सीएमआईई ने देश में बेरोजगारी पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसके मुताबिक तीन मई २०२० तक देश में बेरोजगारी दर बढ़ कर २७ फीसदी से ऊपर पहुंच गई है। इससे पहले जारी इसी संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल २०२० में देश में बेरोजगारी दर बढ़ कर २३.५ फीसदी पर पहुंच गई थी। इसमे बताया गया है कि अकेले अप्रैल महीने में बेरोजगारी दर में १४.८ फीसदी का इजाफा हुआ था। सीएमआईई के मुख्य कार्यकारी महेश व्यास ने कहा कि लकडाउन के लंबा चलने पर बेरोजगार लोगों की संख्या और बढ़ सकती है। शुरुआत में, असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की नौकरी गई हैं। लेकिन अब धीरे–धीरे, संगठित और सुरक्षित नौकरी वालों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। स्टार्टअप कंपनियों ने छंटनी की घोषणा की है और उद्योग संघों ने नौकरी के नुकसान की चेतावनी दी है। व्यास ने कहा कि इस दौरान नौकरी की तलाश कर रहे लोगों की संख्या भी बढ़ी है। तीन मई को यह ३६.२ फीसदी हो गई जो पहले ३५.४ थी। सीएमआईई की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अप्रैल में दैनिक वेतन भोगी मजदूर और छोटे कारोबारी सबसे ज्यादा बेरोजगार हुए हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक १२ करोड़ से ज्यादा लोगों की नौकरी गई है। इनमें फेरीवाले, सड़क के किनारे सामान बेचने वाले, निर्माण उद्योग में काम करने वाले कर्मचारी व मजदूर और रिक्शा, ठेला चला कर गुजारा करने वाले लोग शामिल हैं।

रेनों से ८० हजार मजदूर घर पहुंचे

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से देश के अलग अलग हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूरों को निकालने के लिए चलाई गई श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से अब तक ८० हजार मजदूरों को निकाला जा चुका है। भारतीय रेलवे ने बताया कि उसने एक मई से अब तक ८३ विशेष ट्रेनें चलाई हैं, जिनमें ८० हजार से ज्यादा फंसे हुए लोगों को ले जाया गया है। इस तरह की पांच सौ ट्रेनें चलाने की योजना है। रेलवे ने बताया कि हर विशेष ट्रेन में २४ डिब्बे हैं और हर डिब्बे में ७२ बर्थ हैं। सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का पालन हो, इसके लिए रेलवे ने एक डिब्बे में ५४ यात्रियों को ही जगह दी है। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी मुताबिक, एक दर्जन ट्रेनें बिहार पहुंच गई हैं और बाकी एक दर्जन और पहुंचने वाली हैं। उत्तर प्रदेश में १० ट्रेनें पहुंच गई हैं और आ

अद्भुत खेंट पर्वत : जहाँ रहती हैं परियां

अमरेन्द्र सहाय अमर

आपने अपने बचपन में भूत–प्रेत और परियों की कहानियां तो बहुत सूनी होगी इसमें से कुछ काल्पनिक और कुछ मनगढ़ंत होती है, पर आज हम आपको खैट पर्वत के परियों की कहानी के बारे में बताने जा रहे हैं . उत्तराखंड के टिहरी जिले के फेगुल पट्टी में स्थित थात गांव से ४–५ किमी० की पैदल दूरी तय करने के पश्चात खैटखाल के नाम से जाने वाले इस मन्दिर की अपनी ही कुछ मान्यता है. यह मन्दिर रहस्यमयी शक्तियों के लिए पूरे उत्तराखंड में प्रसिद्ध है. इस मन्दिर में पूजी जाने वाली नौ देवियां 'आंछरी–भराड़ी' यानि परियों के नाम से जानी जाती हैं. कहा जाता है की ये नौ देवियां बहने हैं और आज भी ये अदृश्य शक्तियों के रूप में वहीं स्थित रहती है. इन परियों की पूजा करने आये श्रद्धालुओं के लिए वहां धर्मशालाएं बनायी गयी है. कुछ बातें इस रहस्य को खुद ही बयान करती है जैसे की उत्तराखंड में अनाज को कूटने के लिए जो ओखली होती है वो वहां पर जमीन पर नहीं बल्कि दिवारों पर बनी है. और यहां पर कई तरह की फसलें और फल होते हैं परन्तु वो सारी चीजें वहीं तक इस्तेमाल करने लायक होती

है और वहां के परिसर के बाहर वे चीजें निरूपयोगी हो जाती हैं. कहा जाता है की इन आछरियों यानि परियों को जो लोग पसन्द आ जाते हैं वो उनको मूर्छित कर अपने साथ ले जाती है और अपने लोक में शामिल कर लेती हैं. इन्हीं सब बातों के कारण इस मंदिर की अपनी ही विशेषताएं हैं और ऐसी ही अन्य शक्तियां उत्तराखंड में आज भी मौजूद है. यहां पर आज भी देवताओं का वास है तभी तो उत्तराखंड की भूमि को देव भूमि कहा जाता है उल्टी ओखली, में पीड़ी पर पर्वत पर स्थित मां भराड़ी के मंदिर से कुछ दूरी पर "लुक्की पिडी" में पीड़ी पर्वत पर और भी बहुत रहस्यमयी जगह है जैसे कि गर्भजोन गुफा जिसका कोई अंत नहीं है। इस स्थान की कई मान्यताएं है कुछ लोग कहते है कि मधु कैटभ वध के समय माता रानी के शेर की दहाड से धरती फट गयी थी. यहां पर शिव, पार्वती, गणेश भगवान की प्रतिमायें है जो खोजबीन को दौरान मिट्टी में दबी मिली और साथ ही एक शिवलिंग भी मिला. माना जाता है कि यहीं पर रावण ने भगवान शंकर की तपस्या की थी. चोखुंडू चोतरू एक मैदान रूपी जगह है और माना जाता है कि यहां पर रात में आछरियां यानि परियाँ खेल खेलती है.। यहाँ पर एक गुफा है जहां पर बहुत भूलभुलैया के रूप में प्रसिद्ध है .इस गुफा के अंदर पत्थर पर नाग देवता के बहुत सारे प्रतिबिंब बने है. यहाँ हर वर्ष भागवत कथा का आयोजन होता है. इस भागवत कथा में हजारो की तादाद में श्रद्धालु भाग लेते हैं. यहां से लोग प्रसाद रूप में नैर थुनेर लेकर जाते हैं .नैर–थुनैर दो अलग–अलग वृक्ष है. इनकी पत्तियां बहुत खुशबूदार होती है. इसी वजह से पिडी के जंगल में एक सुन्दर सी महक चलती रहती है. लोग इन पत्तियों का इस्तेमाल सुखा कर हवन इत्यादि, मैं करते हैं. यह वृक्ष पूरे भारत में बहुत ही कम स्थानो पर मिलते हैं. वाकई खेंट पर्वत अपनी रहस्यमय स्थितियों के लिए अभूत प्रसिद्ध है।

पेट्रोल-डीजल से हुई १७ लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ा कर केंद्र सरकार ने १७ लाख करोड़ रुपए की कमाई है। पार्टी ने सरकार से इन पैसों का हिसाब मांगा है। केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल पर १० रुपए और डीजल पर १३ रुपए उत्पाद शुल्क बढ़ाए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों पर शुल्क बढ़ा कर आम लोगों की गाढ़ी कमाई लूटना आर्थिक देशद्रोह है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क के जरिए पिछले छह साल में वसूले गए १७ लाख करोड़ रुपये का क्या हुआ, इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जवाब देना चाहिए। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संवाददाताओं से कहा– १३० करोड़ भारतीय कोरोना वायरस महामारी से जंग लड़ रहे हैं, रोजी–रोटी की मार झेल रहे हैं, आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं वहीं दूसरी ओर संकट के

इस समय में भी केंद्र की जनविरोधी भाजपा सरकार देशवासियों की खून पसीने की कमाई लूटने में लगी है। सुरजेवाला ने पेट्रोल–डीजल पर लगने वाले शुल्क का गणित समझाते हुए कहा– चार मई, २०२० को भारत की तेल कंपनियों को कच्चे तेल की लागत २३.३८ अमेरिकी डॉलर या १,७७२ रुपए प्रति बैरल पड़ती है। एक बैरल में १५९ लीटर होते हैं। यानी आज के दिन देश में प्रति लीटर तेल की लागत ११.१४ रुपए प्रति लीटर है। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल इतना सस्ता है पर देश में पेट्रोल ७१.२६ रुपए प्रति लीटर और डीजल ६६.३६ रुपए प्रति लीटर बेचा जा रहा है? सुरजेवाला ने कहा– भाजपा सरकार ने २०१४–१५ से २०१६–२० तक यानी छह साल में १२ बार पेट्रोल व डीजल पर टैक्स बढ़ा कर १३० करोड़ भारतीयों से १७ लाख करोड़ रुपए वसूले हैं। इस जबरन वसूली का पैसा कहां गया, जब जनता को कोई राहत ही नहीं मिली? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामने आकर १३० करोड़ भारतीयों को जवाब दें।

अब सार्वजनिक परिवहन शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से देश भर में लागू लकडाउन के तीसरे चरण में लोगों को दी जा रही छूट अब सरकार और बढ़ाने की तैयारी कर रही है। सरकार सार्वजनिक परिवहन सेवाएं शुरू करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बस और कार अपरेटर्स कंफेडरेशन अफ इंडिया के सदस्यों से बात की और उन्हें भरोसा दिलाते हुए कहा कि कुछ दिशा–निर्देशों के साथ जल्दी ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट को शुरू किया जा सकता है। सरकार इसी दिशा में काम कर रही है। गडकरी ने कहा– सरकार ऐसे दिशा–निर्देश तैयार कर रही है, जिसके आधार पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग किया जा सके। इस दौरान यह ध्यान रखना जरूरी होगा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों का किसी तरह से उल्लंघन न हो। उन्होंने कहा– ट्रांसपोर्ट और हाईवे खोलने के लिए पब्लिक के बीच भरोसे को स्थापित करना होगा। हमें यह सावधानी बरतनी होगी कि इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो। सुरक्षा

के सभी विकल्प सुनिश्चित करना होंगे। जैसे कि हाथ धोना, सैनिटाइजेशन, फेस मास्क आदि का उपयोग। कंफेडरेशन के सदस्यों ने सरकार से पैसेंजर ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री के लिए बेलआउट पैकेज की मांग की। इस पर गडकरी ने कहा– सरकार इंडस्ट्री की दिक्कतों से अच्छी परिचित है। ऐसे में उद्योग की दिक्कतों को दूर करने के लिए सरकार पूरी तरह से सहयोग करेगी।

जनता की आवाज उठाना भाजपा सरकार को गंवारा नहीं : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाना भाजपा सरकार को गंवारा नहीं है। उसको इसमें अपना सिंहासन डोलने का खतरा लगने लगता है। यादव ने आज कहा कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं और मान्यताओं की तिलांजलि दी जा रही है। विपक्ष से तो क्या मुख्यमंत्री जी को अपने विधायक से भी डर लगने लगा है। आखिर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने से परहेज क्यों किया जा रहा है। इसमें विधायक कोरोना संकट के समाधान के बारे में चर्चा करते, उपाय बताते जिससे सरकार को मदद मिलती। चंद अधिकारियों के बूते इस भयंकर समस्या का सामना नहीं किया जा सकता है। मुख्यमंत्री दावे चाहे

जितने करें कोरोना संक्रमरण के हालात सुधर नहीं रहें है। उन्होने कहा कि आगरा–कानपुर–लखनऊ के बाद मेरठ में लगभग ६० लोगों का कोरोना संक्रमित होना भयावह स्थिति की ओर इशारा करता है। बिजनौर के डॉक्टर की मेरठ में कोरोना के कारण मृत्यु दुःखद है। आगरा में कोरोना मरीजों का बुरा हाल है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि लॉकडाउन में भोजन के लिए बेबस महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग क्वारंटाइन सेंटर से बाहर आते हैं तो उन पर पुलिस लाठीचार्ज करती है, यह प्रशासनिक संवेदनशून्यता की हद है। विभिन्न राज्यों में फंसे लाखों कामगारों का कोई भविष्य नहीं है। समाजवादी सरकार में श्रमकल्याण की योजनाएं लागू की गई थी। उनके अलावा भाजपा राज के तीन वर्षों में कुछ भी नहीं है।

जमात के लोगों को घर जाने की इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात के मरकज में शामिल हुए लोगों को अब घर जाने की इजाजत दे दी गई है। मरकज में शामिल कई हजार लोगों को एक जगह से निकाला गया था और सबकी जांच करके इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था या क्वरैंटाइन किया गया था। अब दिल्ली सरकार ने आदेश दिया है कि ठीक हुए सभी लोगों को घर जाने दिया जाए। हालांकि इनमें से कुछ लोगों पर कई किस्म के मुकदमे दर्ज हुए हैं। अस्पताल में डक्टरों से मारपीट और नर्सों से बदतमीजी के मामले भी दर्ज हैं। ऐसे कुछ लोगों को ठीक होने के बाद पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। बहरहाल, करीब चार हजार लोगों को मार्च के आखिरी में निजामुद्दीन मरकज से और कुछ दूसरी जगहों से पकड़ा गया था। इनमें से एक हजार से ज्यादा कोरोना संक्रमित पाए गए थे, बाकी लोगों को अलग–अलग क्वरैंटाइन सेंटर में रखा गया था। अब संक्रमित लोग ठीक हो चुके हैं और सभी का क्वरैंटाइन पीरियड भी समाप्त हो चुका है। ऐसे में दिल्ली के स्वास्थ्य और गृह मंत्री सत्येंद्र जैन ने इन सबको घर भेजने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम के बाद देश की राजधानी दिल्ली देश के कोरोन वायरस हटस्पट बनकर उभरी है। इस कार्यक्रम में भारत सहित कई देशों के जमाती पहुंचे थे। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में मुख्य मौलवी मौलाना साद और छह अन्य को आरोपी बना कर केस दर्ज किया है।

प्रयागराज में बिकी करीब ५ करोड़ की शराब

प्रयागराज। देश में घोषित लॉकडाउन के तीसरे चरण में शराब की दुकानो से प्रयागराज में करीब पांच करोड़ रूपये मूल्य की शराब की बिक्री की गयी। जिला आबकारी अधिकारी संदीप माड़वेल ने बताया कि एक ही दिन में जिले में करीब पांच करोड़ रूपये की शराब लोगों ने खरीदी। आमतौर पर प्रयागराज में रोजाना दो करोड़ रूपये की शराब की बिक्री होती है। बंदी के बाद लोगों ने ढाई गुना अधिक शराब खरीदी। उन्होने बताया कि हॉटस्पॉट वाले इलाकों में दुकानों को बंद रखा गया है। करबला, कपारी, और सैदाबाद में देसी की तीन दुकानें, हिम्मतगंज, सैदाबाद में अंग्रेजी की दो दुकानें हिम्मतगंज, लूकरगंज और कपारी में बयर की तीन दुकानों को बंद रखा गया है। लाकडाउन के तीसरे चरण में शराब की दुकाने खोले जाने के सरकार के फैसले पर सवालिया निशान लगाते हुये इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ने मुख्य न्यायाधीश और रजिस्ट्रार को अनलाइन अर्जी भेजकर शराब की दुकानें बंद कराने की मांग कह। अर्जी को पीआईएल मानकर उचित आदेश पारित करने की आवाज उठाई है। वकील का कहना है कि इससे महामारी का खतरा बढ़ने का भय है।

दुनिया में दो लाख ६० हजार मौतें

नई दिल्ली। दुनिया भर के देशों में कोरोना वायरस का संक्रमण और इससे मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार की सुबह तक पिछले २४ घंटे में ८६ हजार नए मामले आने की खबर है। इसकी वजह से बुधवार की सुबह तक दुनिया भर में इस वायरस से संक्रमितों की संख्या ३७ लाख ५६ हजार से ज्यादा हो गई। बुधवार तक इसके संक्रमण से मरने वालों की संख्या दो लाख ६० हजार पहुंच गई। मरने वालों की संख्या का रोजाना औसत पांच हजार के आसपास है। इस संक्रमण के मरीजों में से १२ लाख ५६ हजार से कुछ ज्यादा मरीज इलाज से ठीक भी हुए हैं। एक दिन में ४० से ४५ हजार मरीज ठीक हो रहे हैं। संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका अब तक १२ लाख ४० हजार से ज्यादा मामले आ चुके हैं और मरने वालों की संख्या ७२ हजार से ज्यादा हो गई है। अमेरिका में सबसे ज्यादा प्रभावित न्यूयर्क में अब तक २५ हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहां तीन लाख ३० हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि व्हाइट हाउस कोरोना टास्क फोर्स अब खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका कोरोना वायरस से लड़ाई में अब अगले चरण में चला गया है। उधर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जनसन ने कहा है कि उनकी सरकार अगले रविवार को लकडाउन में ढील देने की घोषणा करेगी। सोमवार से नए नियम लागू हो जाएंगे। जनसन ने विपक्ष के नेता केर स्टार्मर के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह जानकारी नहीं दी क्या–क्या छूट मिलेगी। इस बीच रूस में लगातार चौथे दिन संक्रमण के १० हजार से ज्यादा मामले मिले हैं। इसके साथ ही यहां एक लाख ६६ हजार के करीब मरीज हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों से देश में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों ने मांगा पैकेज

नई दिल्ली। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एक बार फिर आर्थिक पैकेज की मांग दोहराई है। उन्होंने इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई मुख्यमंत्रियों की बैठक में आर्थिक पैकेज की मांग उठाई थी। बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक के दौरान कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कोरोना वायरस की महामारी की वजह से राजस्व के भारी नुकसान का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को प्रदेशों के लिए आर्थिक पैकेज देना चाहिए। इस बैठक में मुख्यमंत्रियों ने यह आरोप भी लगाया कि कोरोना वायरस के मामलों के आधार पर रेड, अरेंज और ग्रीन जोन का निर्धारण करने के लिए केंद्र की तरफ से राज्यों के साथ सलाह–मशविरा नहीं किया जा रहा है। इस बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पूर्व

वित्त मंत्री पी चिदंबरम भी शामिल हुए। बाद में कांग्रेस के मीडिया प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा– जब तक व्यापक प्रोत्साहन पैकेज नहीं दिया जाता तब तक राज्य और देश कैसे चलेगा? हमें १० हजार करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। राज्यों ने प्रधानमंत्री से पैकेज के लिए लगातार आग्रह किया है, लेकिन हमें अब तक भारत सरकार से कुछ नहीं पता चला। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे राज्यों को तत्काल सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा– छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है जहां ८० फीसदी छोटे उद्योग फिर से शुरू हो गए हैं और ८५ हजार कामगार काम पर लौट चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली में बैठे लोग जमीनी हकीकत जाने बिना कोविड–१९ के जोन का वर्गीकरण कर रहे हैं, जो चिंताजनक बात है।

सांसद ने ली अधिकारियों की बैठक, दिये दिशा निर्देश

बनवारी लाल कुशवाहा

फिरोजाबाद। निरीक्षण भवन पर पर बुधवार को सांसद डॉक्टर चंद्रसेन जादौन व जिला अध्यक्ष महानगर राकेश शंखवार ने जिले के अधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दिये है। सांसद डॉ चन्द्रसेन जादौन ने जिले में व्याप्त महामारी कोरोना के संबंधित चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए। जिससे हमारा फिरोजाबाद किस तरीके से कोरोना मुक्त हो सके और प्रधानमंत्री का हारेगा कोरोना, जीतेगा भारत का आव्हान सफल हो सके। उन्होंने मुख्य विषय बिंदुओं पर समस्त अधिकारियों से वार्ता कर आगे की रणनीति पर भी चर्चा की। बैठक में एडीएम तहसीलदार तथा जिले के नोडल अधिकारी व अन्य मुख्य अधिकारी उपस्थित रहे। भाजपा की तरफ से सांसद प्रतिनिधि ललित मोहन व भाजयुमो जिला अध्यक्ष महानगर अंकित तिवारी एवं कोषाध्यक्ष हेमंत मित्तल आदि लोग उपस्थित रहे।

केले बेच रहे युवक को दबंग युवक ने मारपीट कर किया घायल

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबाद। नगर के एटा रोड गंगा नगर के समीप एक युवक केला बेच रहा था तभी एक दबंग युवक ने उसके साथ मारपीट कर दीं। जिससे वह घायल हो गयां। सूचना पर पहुॅची पुलिस ने घायल का मेडीकल कराया है। गोपाल पुत्र हरेराम निवासी गंगा नगर अपने ठेले पर केले बेच रहा था वह एटा रोड की तरफ खडा था तभी एक दबंग युवक आया और केले खा लिये जब उससे पैसे मॉगे तो उसने युवक की मारपीट कर दी। जिससे वह घायल हो गयां। सूचना पर पहुॅची पुलिस ने युवक को मेडीकल के लिये जिला संयुक्त चिकित्सालय में भेज दिया।

श्रीगंगानगर बार्डर पर तैनात बीएसएफ जवान का शव आया गांव डयूटी पर ही साथी द्वारा की गई फायरिंग में हुई थी मौत

बनवारी लाल कुशवाहा

फिरोजाबाद । तीन दिन पूर्व जैसलमेर (राजस्थान) के श्रीगंगानगर में रेणुका चौकी , जो श्रीगंगानगर बार्डर पाकिस्तान बार्डर के पास है, पर तैनात दो बीएसएफ जवानों में आपस में विवाद के बाद हवलदार ने एसआई पद पर तैनात जसराना निवासी ५२ साल के रविन्द्र चौहान को गोली मारकर खुद को भी गोली से उड़ा लिया था । जिसमें दोनों की मौत हो गयी थी । इनमें एक जवान फिरोजाबाद के थाना जसराना के गांव टीकतपुरा के निवासी रविंद्र सिंह चौहान पुत्र शिव सिंह थे । जो वहां पर सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात बताये गये हैं । इनका हवलदार से विवाद होने पर शिव चंद्र ने इन्हें गोली मार खुद को भी गोली मार ली थी। बुधवार को इनका शव पैतृक गांव फिरोजाबाद के जसराना स्थित गांव टीकतपुरा में आया। शव देख परिजनों में हाहाकार मच गया । अंतिम दर्शन में सबकी आंखे नम हो गईं। वहीं बीजेपी सांसद चंद्रसेन जादौन, विधायक जसराना रामगोपाल उर्फ पप्पू लोधी, जसराना चौयरमैन अवनीश कुमार गुप्ता समेत अनेक लोग मौजूद रहे, साथ ही सीओ व थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। रविन्द्र को सलामी देने के साथ ही अंतिम संस्कार किया गया । बताया गया कि मृतक बीएसएफ जवान की दो बेटियां नेहा और शोभा दोनों की शादी हो गयी। एक बेटा १२ वर्षीय अनमोल है, जो कि कक्षा आठवीं का छात्र है। ये बटालियन १२५ में १९८४ को भर्ती हुये थे।

आंधी तूफान ने गिरायी दीवाल दो की मौत काई घायल

अलग–अलग हादसों में आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। थाना कोतवाली ईसानगर क्षेत्र के अन्तर्गत तेज आई आंधी तूफान से अलग–अलग हादसों में आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गये हैं। जबकि एक बच्चा सहित दो लोगों की दबकर मौत हो गयी।मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम बीरसिंह पुर गांव में उमेश रस्तोगी व बबलू तथा रामकेश के घर पास–पास बने हैं। आंधी पानी के साथ बरस रहे ओलों से बचने के लिए उक्त सभी लोग छप्पर के नीचे बैठ गए। तभी आंधी की चपेट में आने से छप्पर समेत दीवाल भर भरा कर उनके ऊपर गिर गई। जिसमें उमेश व बबलू तथा रामकेश व उनके परिवार के लोग दीवार के नीचे दब गए। हो हल्ला होने पर लोगों ने बमुस्किल मलबा हटाना सुरु किया । इस बीच दीवार में दबे उमेश रस्तोगी के ५ वर्षीय पुत्र शुभम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ईसानगर क्षेत्र के ही हटवा गांव में दीवार गिरने से ५० वर्षीय रजनी व २५ वर्षीय लालाराम दब गए, लालाराम की मौके पर ही मौत हो गई।

पूर्व सांसद लगातार जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध करा रहे हैं राहत सामग्री

लखीमपुर खीरी। कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी जी के निर्देशानुसार आज दिनांक ६ मई को पूर्व सांसदध्पूर्व मंत्री जफर अली नकवी जी ने खीरी संसदीय क्षेत्र के विधानसभा श्रीनगर में जनता को राहत पहुंचाने हेतु राहत सामग्री वितरित की। राहत सामग्री प्राप्त करने वालों में कांग्रेस पदाधिकारी, कांग्रेस कार्यकर्ता, कांग्रेस सिपाही श्री संजय चौधरी (प्रदेश सचिव सेवादल), श्री हफीज खां(ब्लॉक फूलबेहेड़ से पीसीसी सदस्य), श्री ललित बाल्मीकि(ब्लॉक अध्यक्ष बिजुआध्कांग्रेस सिपाही), श्री राजेश प्रधान (ब्लॉक अध्यक्ष लखीमपुर), डॉ. शौकत अली (ब्लॉक अध्यक्ष नकहा), श्री सूरज सिंह (सदस्य जिला पंचायत), श्री अली बहादुर (कांग्रेस सिपाही) श्री रामपाल राज (कांग्रेस सिपाही), श्री अतुल श्रीवास्तव, श्री रामपाल शाक्य, श्री दिलीप पासवान (पूर्व प्रदेश सचिव अनु०जाति विभाग), को प्रदान की गई । इस राहत सामग्री में आटा, चावल, चीनी, दाल,आलू, प्याज आदि सामग्री है। राहत सामग्री प्रदान करने के उपरांत श्री नकवी ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से यह अनुरोध किया कि इस सामग्री को जरूरतमंदों में वितरित किया जाए। साथ ही श्री नकवी ने यह भी कहा कि इस संकट की घड़ी में हम सभी को मिलकर गरीबों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कैप्टन मोनिस अली नकवी तथा कांग्रेस जिला प्रवक्ता श्री रवि तिवारी उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड संस्था बनाकर बांट रही है मास्क

फिरोजाबाद/शिकोहाबाद। उ०प्र स्काउट गाइड फिरोजाबाद द्वारा अपने वालिंटियर्स द्वारा बनाए जा रहे मास्को को वितरित करने का काम किया जा रहा है। जिला सचिव ड सहदेव सिंह चौहान ने बताया कि प्रादेशिक सचिव के पत्र अनुसार प्रत्येक साथी को कम से कम १०–१० मास्क तैयार करा कर टूण्डला मे यतेंद्र कुमार, जसराना मे विनीत कुमार, फिरोजाबाद मे पवन प्रताप सिंह, शिरसागंज मे श्रीओम तथा शिकोहाबाद मे सहदेव चौहान को उपलब्ध कराने है। जिससे एक जगह एकत्रित करके जिला मुख्यायुक्त के आदेशानुसार सम्बंधित तहसील मे सक्षम अधिकारी को देकर रिसीव करा लिया जायेगा। अभी तक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरमुरा मे अतर सिंह , कोमल ओपन ट्रूप मे कोमल सिंह, जिला ट्रैनिंग आयुक्त जवाहर लाल इण्टर कलेज मे सत्यम सिंह, के सी मेमोरियल मे यतेंद्र द्वारा, जिला आयुक्त डॉ. डी पी एस राठौर , जिला आयुक्त गाइड डॉ दर्शना कुमारी, जिला संगठन आयुक्त आनंद बाबू, जिला ट्रेनिग आयुक्त गाइड विनीता चौधरी, सुनीता चौधरी, सपना वर्मा, सुष्मिता सिंह, आशीष यादव द्वारा घर पर तैयार किये गए मास्क कमजोर लोगो को उपलब्ध करवाए गए है। वहीं अब जिला मुख्यायुक्त रीतू गोयल जिला विधालय निरीक्षक के पास पहुचाकर असहाय लोगो मे बाँट दिए जाएंगे।

सुबह बाजार में जमकर उडी सोशल डिस्टेंस की धज्जिया

फिरोजाबाद/शिकोहाबादः नगर में बुधवार को बंदी दिवस होने के बाद भी कुछ लोगों ने अपने प्रतिष्ठान को खोल लिया जहां पर सोशल डिस्टेंस की जमकर ध ाज्जिया उडाई गईं। लोग सोशल डिस्टेंस भूलकर सामान की खरीदारी करते हुए दिखाई दिए। दुकान स्वामी भी ग्राहकों की भीड को सामान देने में जुटा रहा लेकिन सोशल डिस्टेंस का कोई ध्यान नही रखा। एसडीएम ने मंगलवार की सायं बुधवार को सभी दुकानों के बंद रखने के आदेश दिए थे। लेकिन प्रशासन के आदेश को ध ाता बताकर कुछ व्यापारियों ने सुबह ही अपनी दुंकानों को खोल लिया। इस दौरान सामान खरीदने वालों की भीड उमड पडी। लोग विभिन्न प्रकार के सामान की खरीदारी कर रहे थे। इसके साथ ही एटा रोड पर सुबह के समय बाइकों व पैदल चलने वालों की भीड जमा दिखाई दी। लोग झुड में रोड पर खडे हुए थे। सुबह के समय प्रशासन की ढील का लोगों ने जमकर फायदा उठाया। सुबह के समय पुलिस के जवानों की संख्या कम होने के चलते लोग सोशल डिस्टेंस का पालन नही कर रहे हैं। ऐसे में कोरोना महामारी का नया संकट पैदा हो सकता है।

कोरोना की लड़ाई कमजोर करने वालों को जनता जवाब देगी : मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैश्विक माहामारी के इस आपात काल में निजी स्वार्थ की राजनीति करने वालों की सोमवार को घोर निंदा की। उन्होंने कहा कि विरोधी दल कोरोना के खिलाफ देश की इस लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें जनता जवाब जरूर देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जारी एक बयान में कहा कि "अपने शाासन काल में कामगार, गरीब, मजबूर, निराश्रित और महिलाओं की कल्याणकारी योजनाओं की धनराशि हड़प कर जाते थे। वही लोग आज गरीबों के खाते में धनराशि पहुंचने पर बौखला रहे हैं। ऐसा करने वाले कोरोना की लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं, उन्हें जनता जवाब जरूर देगी।" मुख्यमंत्री योगी ने कहा, "यह दुर्भाग्य है कि एक तरफ निराश्रित, गरीब, युवाओं के साथ उत्तर प्रदेश सरकार बिना भेदभाव के खड़ी है। वहीं दूसरी तरफ कुछ राजनीतिक दल सेवा के कार्य से अलग हटकर स्वार्थ की राजनीति करने का बेजा प्रयास कर रहे हैं।" योगी ने इसे राजनीतिक गरिमा के खिलाफ अभद्र आचरण बताया। प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कामों का ब्यौरा देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा, "उत्तर प्रदेश में २ करोड़ ३४ लाख किसानों के खाते में २–२ हजार रुपये की पहली किस्त अप्रैल में और दूसरी किस्त इसी माह भेजी जा रही है। इसके अलावा ३ करोड़ २६ लाख महिलाओं के जनधन खाते में १६३० करोड़ रुपये अप्रैल में और १६३० करोड़

रुपये की धनराशि मई महीने में भेज दी गई है। प्रदेश के १ करोड़ ४७ लाख परिवारों को निरूशुल्क रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया गया है। १८ करोड़ गरीबों को दो बार निरूशुल्क खाद्यान्न तिरित किया गया है, तीसरी बार भी यह वितरण शुरू किया जा रहा है। प्रदेश में निराश्रित, गरीब, रोज कमाने वाले, कामगार जैसे ३० लाख से अधिक गरीबों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक हजार रुपये का भरण पोषण भत्ता और निशुल्क खाद्यान्न भी दिया गया है। मनरेगा मजदूरों को बढ़े हुए पारिश्रामिक से भुगतान किया गया है। ८८ लाख से अधिक पेंशन ध ाारकों को दो महीनों की धनराशि एडवांस उपलब्ध करा दी गई है।" उन्होंने दूसरे राज्यों से उत्तर प्रदेश वापस आने वाले कामगारों व श्रमिकों को दी जाने वाली सहायता के बारे में बताया कि यूपी में आने वाले गैर प्रवासी मजदूरों को क्वोरंटीन, कम्यूनिटी और शेल्टर होम तक पहुंचाया जा रहा है। सभी को खाद्यान्न देकर घर पहुंचाने का काम प्रदेश सरकार कर रही है। योगी ने कहा, "उत्तर प्रदेश सरकार ने इन प्रयासों के आधार पर इस लड़ाई को मजबूती देने का काम किया है। प्रदेश सरकार ने ६६ ५० लाख से अधिक कामगारों व श्रमिकों को वापस लाने में सफलता हासिल की है। २८ मार्च को ६ लाख से अधिक कामगारों को वापस लाकर उनके उपचार की व्यवस्था की। साथ ही उनके लिए खाद्यान्न की व्यवस्था के साथ ही एक हजार रुपये भरण पोषण भत्ता देकर होम क्वारंटीन पहुंचाने तक का कार्य उत्तर प्रदेश सरकार ने किया। दूसरे चरण में बीते तीन दिनों के भीतर ही ५० हजार से अधिक कामगार व श्रमिक यूपी में वापस लौटे हैं।"

शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू–कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सीआरपीएफ के शहीद जवान अश्विनी कुमार यादव, संतोष कुमार तथा चन्द्र शेखर के शौर्य और वीरता को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले इन शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। योगी ने प्रदेश के गाजीपुर निवासी सीआरपीएफ जवान अश्विनी कुमार यादव की शहादत को शत–शत नमन करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार शहीद के परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि शहीद के परिवार को हर संभव मदद प्रदान की जायेगी। गौरतलब है कि सोमवार को जम्मू–कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान शहीद हो गये थे। शहीद जवानों में अश्विनी कुमार यादव, संतोष कुमार तथा चन्द्र शेखर शामिल थे।

सड़क हादसे में छह मजदूरों समेत सात की मौत

मथुरा। मथुरा में मगोर्रा थाना क्षेत्र के गांव उमरी के पास टेंपो और डीसीएम की जोरदार हो गई। इस हादसे में सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हुए हैं। सभी मजदूर अपने घर जा रहे थे। लकडाउन के बीच हुए भीषण हादसे से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। यह मजदूर मध्य प्रदेश के छतरपुर के रहने वाले थे। वह यहां मेहनत–मजदूरी करने आए थे, लेकिन लकडाउन के कारण फंस गए। ये सभी अपने घर जाने के लिए परेशान थे। इन मजदूरों को जाजन पट्टी चौराहे से मध्य प्रदेश जाने के लिए बस उपलब्ध होने की सूचना मिली थी। आठ मजदूर मथुरा से किराये पर टेंपो लेकर जाजन पट्टी जा रहे थे।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

जूडी डेंच को 'कैट्स' में अपना लुक क्यों पसंद नहीं आया

लंदन। डेम जूडी डेंच को टॉम हूपर की हालिया फिल्म 'कैट्स' में उनका लुक पसंद नहीं आया और उनका कहना है कि उनकी हालत 'बुरी' थी। टोनी विजेता कोरियोग्राफर एंडी ब्लैंकेनहुलेर के मार्गदर्शन में एंड्रयू लयड वेबर के प्रतिष्ठित संगीत और डांस टीम के साथ, फिल्म ने एक नई पीढ़ी के लिए इसे रीक्रिएट किया है। इस फिल्म की व्यापक

रूप से आलोचना की गई थी, और यहां तक कि इस पर २०१९ की सबसे खराब फिल्म के रूप में रजीज पर लेबल भी लगाया गया था। डेलीमेल की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश वोग के साथ एक साक्षात्कार में डेन्च ने अपने लुक के बारे में बात की। डेन्च ने इस फिल्म में ओल्ड ड्युटोनमी की भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, "मेरे पहनने के लिए जो लबादा बनाया गया था, वो ऐसा था जैसे मेरी पीठ पर पांच लोमड़ी हों।

लॉकडाउन में सकारात्मक बने रहने के लिए सारा का मूलमंत्र

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने देशव्यापी लॉकडाउन में सकारात्मक बने रहने के अपने मूल मंत्र को अपने प्रशंसकों संग साझा किया है। सारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह बेज कलर के एक अफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। अपने इस लुक के लिए सारा ने चेहरे पर मेकअप हल्का रखा है और उन्होंने अपने बाल बांध रखे हैं। अपनी इस खूबसूरत तस्वीर के साथ सारा लिखती हैं, अपने दिमाग को काबू में रखें और आत्मा को मुक्त कर दें। स्टेहोम स्टेसेफ स्टेपॉजिटिव। सारा

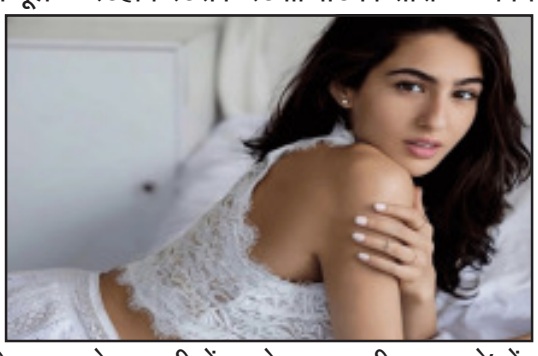

ने हाल ही में अपने बचपन की एक प्यारी सी तस्वीर को भी साझा किया था और इस बात का खुलासा किया था कि वह हमेशा से ही 'अपने सपनों की रानी' रही हैं। अभिनय की बात करें, तो सारा आखिरी बार इम्तियाज अली की फिल्म 'लव आज कल' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन भी थे। आने वाले समय में वह 'कुली नंबर वन' के रीमेक में वरुण धवन के साथ दिखेंगी। सारा फिल्म 'अतरंगी रे' में अक्षय कुमार व धनुष के साथ भी काम करती नजर आएंगी।

मीरा चोपड़ा के पिता को बंदूक की नोंक पर लूटा

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा की चचेरी बहन मीरा चोपड़ा के पिता को यहां पुलिस कलोनी में चाकू के बल पर लूट लिया गया। 'धारा ३७५' की अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि जब यह घटना हुई तब उसके पिता शाम की सैर पर निकले थे। उन्होंने लिखा, "मेरे पिताजी पुलिस कलोनी में टहल रहे थे। एक स्कूटर पर २ लोग आए, चाकू दिखाया और उनका फोन छीन लिया। क्या इस तरह आप दिल्ली के सुरक्षित होने का दावा करते हैं। उन्होंने एक ट्वीट में एफआईआर नंबर भी साझा किया। उन्होंने लिखा, "एफआईआर नंबरः एनडब्ल्यूडी– एमटी–०००५६८, पीसीआर पुलिस लाइन, मॉडल टाउन

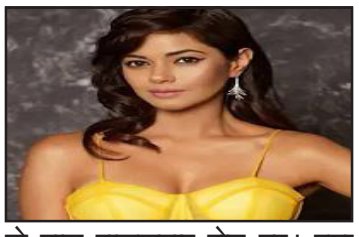

के पास राजकुमार रोड पर। क्या आप सीधे संदेश या ईमेल में संपर्क नंबर भेज सकते हैं। बाद में, मीरा ने त्वरित कार्रवाई करने के लिए उत्तरी दिल्ली के डीसीपी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "त्वरित कार्रवाई के लिए डीसीपी उत्तर दिल्ली को धन्यवाद। हमें गर्व महसूस होता है जब हम अपने पुलिस विभाग द्वारा संरक्षित महसूस करते हैं। इससे मतलब नहीं है कि क्या छीना गया है, दरअसल हमारे बुजुर्गों की रक्षा करना सबसे महत्वपूर्ण है! दिल्ली पुलिस का सम्मान करें। मीरा ने २०१४ में फिल्म 'गैंग ऑफ घोस्ट्स' से बलीवुड में अपने करियर की शुरूआत की थी। बाद में उन्हें '१९२० लंदन' और 'धारा ३७५' जैसी फिल्मों में देखा गया।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक